भाषा की विशेषताएँ एवं हिंदी बोलियों का परिचय

भाषा की परिभाषाः–"भाषा मानव के उच्चारण –अवयवों से उच्चारित यादृच्छिक ध्वनि–प्रतिकों की वह व्यवस्था है जिसके द्वारा समाज विशेश के लोक आपस में विशेष के लोक आपस में विचार–विनिमय करते हैं।"

भाषा की विशेषता–

- भाषा सामाजिक वस्तु है।
- भाषा परिवर्तनशील है।
- भाषा का एक स्थिर और मानक रूप होता है।
- भाषा अर्जित वस्तु है।
- भाषा का प्रवाह अखंड है।
- भाषा सर्व व्यापक है।
- भाषा संप्रषण का मौखिक साधन है।
- भाषा सहज और नैसर्गिक क्रिया है।
- प्रत्येक भाषा की संरचना स्वतंत्र होती है।
- भाषा संयोगावस्थ से वियोगावस्था की ओर जाती है।
- भाषा पैतृक संपत्ती नहीं है।
- भाषा का कोई अंतिम स्वरूप नहीं है।
- भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है।
- भाषा की भौगोलिक सीमा होती है।
- भाषा की ऐतिहासिक सीमा होती है।
- भाषा कठिनता से सरलता की ओर जाती है।

- **मूल भाषा :–** उत्पत्ति प्राचीन काल में । इतिहास पर आधारीत।

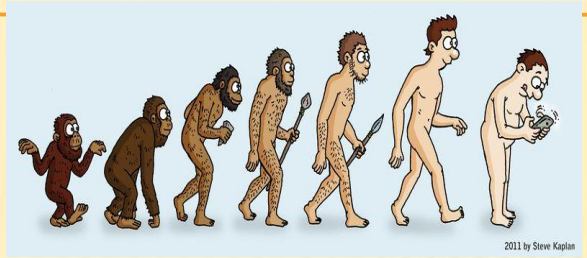

- **व्यक्ति बोली:–** एक व्यक्ति की भाषा।

- **उपबोली–स्थानीय बोली:–** एक छोटे से क्षेत्र में इसका प्रयोग होता है।

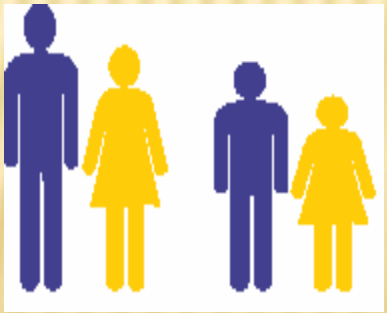

बोलीः– बहुत –सी मिलती–जुलती उपबोलीयों का सामूहिक रूप बोली है।

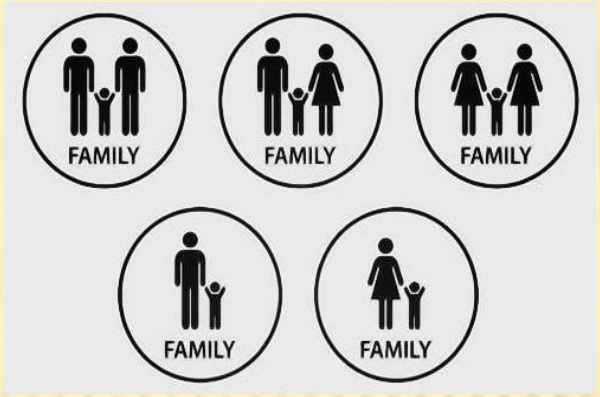

भाषाः– मिलती–जुलती बोलीयों का सामूहिक रूप भाषा है।

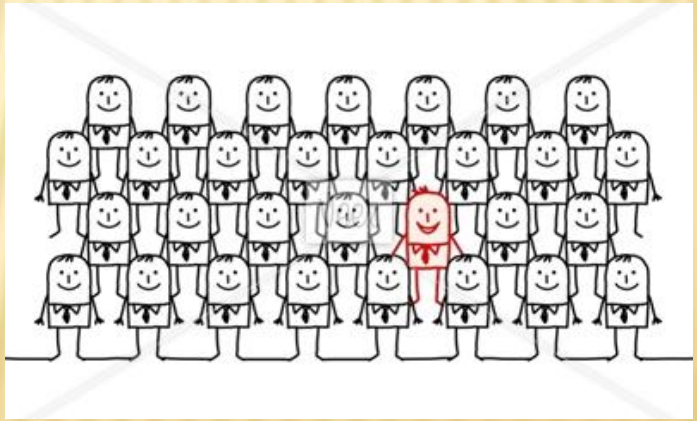

हिंदी की बोलीयाँ

1.पूर्वी हिंदी – अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी

2.बिहारी हिंदी – भोजपूरी, मगही, मैथिली

3.पश्चिमी हिंदी – कौरवी , हरियानी, दक्खिनी, ब्रज,बुंदेली, कन्नौजी

4.राजस्थानी हिंदी – मारवाड़ी,जयपूरी, मेवाती, मालवी

5.पहाड़ी हिंदी – कुमायूँनी, गढ़वाली

हिंदी की बोलीयाँ
पश्चिमी हिंदी
पहाड़ी हिंदी
राजस्थानी हिंदी
पूर्वी हिंदी
बिहारी हिंदी
AFGHANISTAN
PAKISTAN
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR
ARABIAN SEA
BAY OF BENGAL
INDIAN OCEAN
SRI LANKA
MALDIVES
LEGEND

धन्यवाद